









# न्यू श्री नारायण हॉस्पिटल

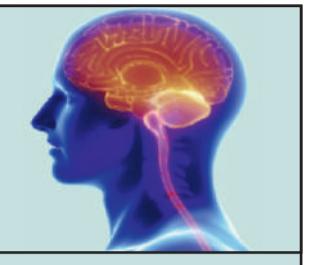
डा. प्रदीप कुमार  
एम.बी.बी.एस., एम.एस.  
Retd. ACMO  
जनरल सर्जन

डॉ. राम निवास  
एम.बी.बी.एस., एम.डी.  
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)  
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ

डॉ. राजा गुप्ता  
जनरल फिजिशियन







## बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर



**डॉ. महित गुप्ता**  
M.Ch.  
Neurosurgery (AIIMS)  
Senior Consultant Neurosurgeon  
मस्तिष्क एवं  
रीढ़ रोग विशेषज्ञ  
Reg. No. UPMCI 65389  
सुविधायों

- सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
- रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
- ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
- सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का इलाज
- दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
- गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का इलाज व आपरेशन
- रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
- बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
- अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा इलाज
- रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व आपरेशन
- लकवा तथा पैरालायिसिस का इलाज

## बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली  
समय : प्रातः 10.12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक

**लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर 7017678157, 8077790358  
7417389433, 9897287601**

समस्त प्रकार के दूर्धीन व धीरे वाले आपेशन की सुविधा

24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

लाल फाटक शॉटिंग स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली

हेल्पलाइन नं. : 8057953868

संचाददाता, भरोसा

## मां को ठंड में घर से निकाला, पर्ची ने वृद्धा को बचाया

- स्कूल में रखी शिकायत पेटिका में बच्चे ने डाली पर्ची
- मिशन शिक्षित टीम ने पर्ची पाकर शरारी बेटे को समझाया

दी और न ही पीड़ित वृद्धा की मदद के लिए आगे आया। समाज की इसी चुप्पी के बीच एक बच्चे ने इंसानियत की मिसाल पेश की। मिशन शिक्षित अभियान के तहत स्कूल में लगी शिकायत पेटिका में बच्चे ने एक पर्ची डालकर इस अमानवीय कृत्य की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने कुछ दिनों पहले ही मादी इंटरनेशनल स्कूल में शिकायत पेटिका लगाई थी। बच्चों को आसपास या कहीं पड़ोसी ने न तो पुलिस को सूचना



मिशन शिक्षित से ठंड से कंपकपाती बुरुंगो की मिली धरकी थी।

● अमृत विचार

कोई अप्रिय या गलत काम होने पर शिकायत की जानकारी मिलने पर शिकायत पेटिका में डालने की बात कही।

पुलिस सक्रिय हुई। भरोसा एसओ

सभी चौधूरी के निरेंस पर मिशन

शिक्षित की प्रभारी एसआई ज्ञा

चौधूरी व महिला हेड कंस्टेबल

रखने की बात का असर हुआ और

लक्ष्मी तिवारी के नेतृत्व में टीम

नौगांव ठाकुर मौके पर पहुंची। वहां पता चला कि वृद्ध कलावती (65) को उनका लड़का राजेश घर में नहीं रहने दे रहा था। कलावती के पति राम सहाय कुछ वार्षे पहले मृत्यु हो चुकी है। इससे मां बेटे के साथ रहती है। उनका लड़का राजेश आए दिन शराब पीकर आता है और अपनी के विरोध करने पर उन्हें घर से बाहर निकाल दिया। ठंड में बुरुंग कंपकपाती रही। लड़के की निरंतरता पर पुलिस टीम ने उसे समझाया और चौधूरी के निरेंस पर मिशन शिक्षित की प्रभारी एसआई ज्ञा तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। चौधूरी तो असर हुआ और बेटा मां को रखने के तैयार हो गया।

## नहर कटने से आलू, सरसों और गेहूं की फसल तबाह

फरीदपुर के गौसगंज गांव में किसान पटेशान, नहीं पहुंचे अफसर

संचाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के गांव गौस गंज में नहर में अचानक

पानी आने से किसानों पर कहर

टूट पड़ा। एक ही गत में आई इस

तबाही ने सैकड़ों बीचा खेतों को

जलमग्न कर दिया, जिसमें आलू

और गेहूं, सरसों मटर समेत कई

फसलें परी तरह बर्बाद हो गई।

किसान बैंबस होकर अपनी मेहनत

को डूबत देख रहे हैं। किसानों के

साथ हुई त्रासदी के बाद नहर खंड

का कोई अफसर मौके पर

नहीं पहुंचा।

नहर का पानी दूधी फसल को बचाने में

असफल किसान।

● अमृत विचार

पर पहुंच जाएं।

क्षेत्र की नहर में अचानक भारी

मात्रा में पानी छोड़ दिए जाने से

फसलों की तेज़ी तेज़ी से बढ़ते

दर्जनों बीचा खेत जलमग्न हो गए,

जिसमें आलू की फसल और गेहूं

सरसों व मटर की फसलें भी पानी

में डूबकर रह गई हैं।

किसानों को मुआवजा दिया जाए।

अगर समय रहते

मदद नहीं मिली, तो कई

परिवार भुखमरी की कगार

वे अपनी फसल बचाने के लिए

भेजकर कटान बंद करा दिया गया।

पैमाइश हुई, फिर भी

नहीं मिला कब्जा

नवाबगंज, अमृत विचार: गजस्व

विभाग द्वारा तुदबंदी कर पक्के तूदे

लगवाने के बावजूद ब्राम बौरी में

एक किसान को अपनी ही कृषि भूमि

पर कब्जा नहीं मिल सका। आराम

है कि विपक्षियों ने जमीन पर अवैध

कब्जा कर पक्का निर्माण कर लिया,

ग्राम बौरी ने बैंबस होकर

पक्के तूदे भूमि देते रहे, तभी

टांडा गांव का एक ईरिक्षा

सवारियों लेकर आवाजा की ओर

आराम हो गया। और दोनों वाहनों

की टैक्कर हो गई। ग्रामीणों

ने बैंबसों को बाहर निकाला,

सभी सवारियों सुरक्षित बर्ताई

गई। बिलौरी गांव निवासी

महिलाओं और युवाओं ने बैंबसों

के बावजूद ब्राम बौरी के बावजूद

बैंबसों को बाहर निकाला।

राहींगों ने बैंबसों की जांच की

पैरिवार रुपरूप से ध्याल हो गए।

राहींगों ने बैंबसों की जांच की

पैरिवार रुपरूप से ध्याल हो गए।

राहींगों ने बैंबसों की जांच की

पैरिवार रुपरूप से ध्याल हो गए।

राहींगों ने बैंबसों की जांच की

पैरिवार रुपरूप से ध्याल हो गए।

राहींगों ने बैंबसों की जांच की

पैरिवार रुपरूप से ध्याल हो गए।

## न्यूज ब्रीफ

किसान को जंगली

जानवर ने काटा

मीरांग, अमृत विचार : मंगलवार को गांव सिमिया के मझारा छोटी सिमिया के किसान सांस्कृतिक गम छुट्टा पायां से फसलों की खेतावी कर रहे थे। इसी दौरान एक जंगली जानवर (भैंडिया) ने किसान पर हमला कर दिया। खुद को बगान का प्रयास किया लेकिन किसान के उटे हाथ को जानवर ने मुँह में भर लिया। इससे बहु धातव बह गये हैं।

## अहरोला में लगा

समाधान शिविर

नवाबगंज, अमृत विचार : मंगलवार का अहरोला गांव में जनसमर्था समाधान एवं जागरूकता शिविर लगाया गया।। समरपाण सुनी गई। किसान समाज नियंत्रित नहीं मिलने वाले किसानों के आवंदन लिए गये। उन्हें शीघ्र समाज नियंत्रित की सूची में शमिल किया जाएगा।।

## बीईओ ने स्कूलों का किया निरीक्षण

फतेहांग पूर्वी, अमृत विचार : खंड शिक्षा अधिकारी ने मंगलवार को क्षेत्र के तमाम सरकारी स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। जिसमें कई जगह सामियां पाई गई। बीईओ फैसलेपूर शीशीपाल रिंग मंगलवार सुख भर सरकारी स्कूलों का औचक निरीक्षण करने क्षेत्र में हुए।

## डबल डेकर बस से

टकराई बिजली केबल

आंवाला, अमृत विचार : पुरेना रेलवे स्टेन मार्ग पर डबल डेकर बस से एक बिजली केबल टकराई बूट गई और बस की छां पर गिर पड़ी। सालाई चाल होने के कारण केबल में स्पार्किंग होती रही। गरीबत रही कि बस खाली थी और कोई बूट बाहरा नहीं थुआ। अंवाला से दिली समर्त राजनीति के लिए प्राइवेट बसों का बोरी छिपे सचालन होता है।। इस आई रामपीर रिंग ने बताया कि बस का नो पार्किंग में चालान काटा गया है।

## सड़क पर सफेद पट्टी भिटी, हादसे का खतरा

शीशांग, अमृत विचार : शीशांग - बहेंडी रोड पर लाई गई सफेद पट्टियां नियंत्रित हुई। इस बीच रुक्ष हिस्से को दीवारा डाला गया। रोड डालने के बाद विभाग सफेद पट्टी डालना व संकेत लगाना भूल गया है। सफेद पट्टी व संकेत न होने से बाहन हालाको को रात में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। कोहा अधिक होने से हादसे का खतरा भी बना रहता है।

## बांगलादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में जमकर प्रदर्शन

जिले की विभिन्न तहसीलों में विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल और हिन्दू जागरण दल के कार्यकर्ताओं ने जारेबाजी कर बांगलादेश सरकार का किया पुतला दहन।

संवाददाता, अंवाला



अमृत विचार: बांगलादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और हिंदूओं से क्षुब्ध होकर मंगलवार को आंवाला में हिन्दू संसाधनों में जारीदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बांगलादेश सरकार के खिलाफ जारेबाजी की गयी।

विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल की ओर से दोपहर में पुनर्नाम स्थित महाराणा प्रताप चौक पर प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर जिला संयोजक विक्रान्त सिंह चौहान, आशीष हिन्दू, विमल त्रिपाठी, शक्ति सिंह, अभ्यं चौहान, वैधव शर्मा, प्रेम राजपूत, दुर्गा सरसोना, बंश करेतिया, क्रृष्ण चौहान, सूरज भान गुप्ता, राकेश सिंह, भूरे, अनिल कश्यप, हरीश मौर्य, गौरव सिंह, आदि उपस्थित रहे।

हन बहेंडी : विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बांगलादेश में हिन्दू युवक दीप वास की निर्मम हया के विरोध में बहेंडी में जारीदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान नितिन, शिवमंगवार, अकित कुमार, वेदप्रकाश, योगेंद्र गंगवार, प्रियंका चौहान, राहुल, विशाल गंगवार आदि रहे।

आंवाला में विहिप, बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने बांगलादेश सरकार का पुतला दहन किया।

सौन सिंह, रामवीर प्रजापति, योगेश चौहान, सूरज भान गुप्ता, राकेश सिंह, भूरे, अनिल कश्यप, हरीश मौर्य, गौरव सिंह, आदि उपस्थित रहे।

हन लोधी : विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बांगलादेश में हिन्दू युवक दीप वास की निर्मम हया के विरोध में लोधी में जारीदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान नितिन, शिवमंगवार, अकित कुमार, सुरेश शर्मा, अवरद गुप्ता, नंदकिशोर गंगवार, प्रेम गंगवार, ललौर सिंह, राजीव कुमार राजू, अश्रुत लाल, वीरद शिंह ठाकुर, प्रताप सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आंवाला में विहिप, बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने बांगलादेश सरकार का पुतला दहन किया।

अमृत विचार

## नवाबगंज में हिंदू युवक की हत्या के विरोध में पुतला दहन

नवाबगंज, अमृत विचार :

बांगलादेश में हिंदू युवक दीप वास की निर्मम हया के विरोध में मंगलवार को विश्व हिन्दू परिषद एवं हिन्दू जागरण दल के कार्यकर्ताओं ने बांगलादेश दौरान हिन्दू पर प्रदर्शन किया और पुतला दहन कर नारेबाजी की ओर हत्यारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शन एवं दौरान हिन्दू जागरण एवं रामपीर सुरक्षा समिति ने किला उपायक्षम हिंदू युवक दीप वास की निर्मम हया के विरोध में कार्यकर्ताओं ने जारीदार प्रदर्शन किया। इस दौरान नितिन, शिवमंगवार, अकित कुमार, सुरेश शर्मा, अवरद गुप्ता, नंदकिशोर गंगवार, प्रेम गंगवार, ललौर सिंह, राजीव कुमार राजू, अश्रुत लाल, वीरद शिंह ठाकुर, प्रताप सिंह आदि विरोध की मांग की।



दिवाकर, हरवीर सिंह, विष्णु, नरेश, इकाई द्वारा बांगलादेश में हिंदू समाज अवाल चौहान, वैधव शर्मा, अवरद गुप्ता, नंदकिशोर गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवतार, सुरेश शर्मा, अवरद गुप्ता, नंदकिशोर गंगवार, प्रेम गंगवार, ललौर सिंह, राजीव कुमार राजू, अश्रुत लाल, वीरद शिंह ठाकुर, प्रताप सिंह आदि विरोध की मांग की।

दिवाकर, हरवीर सिंह, विष्णु, नरेश, इकाई द्वारा बांगलादेश में हिंदू समाज अध्यक्ष पुष्पाल गंगवार, आकाश पटेल, विकास गंगवार, अरविंद गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवतार, सुरेश शर्मा, अवरद गुप्ता, नंदकिशोर गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवतार, सुरेश शर्मा, हिंदू युवक दीप वास की निर्मम हया के विरोध में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिवाकर, हरवीर सिंह, विष्णु, नरेश, इकाई द्वारा बांगलादेश में हिंदू समाज अध्यक्ष पुष्पाल गंगवार, आकाश पटेल, विकास गंगवार, अरविंद गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवतार, सुरेश शर्मा, अवरद गुप्ता, नंदकिशोर गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवतार, सुरेश शर्मा, हिंदू युवक दीप वास की निर्मम हया के विरोध में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिवाकर, हरवीर सिंह, विष्णु, नरेश, इकाई द्वारा बांगलादेश में हिंदू समाज अध्यक्ष पुष्पाल गंगवार, आकाश पटेल, विकास गंगवार, अरविंद गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवतार, सुरेश शर्मा, अवरद गुप्ता, नंदकिशोर गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवतार, सुरेश शर्मा, हिंदू युवक दीप वास की निर्मम हया के विरोध में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिवाकर, हरवीर सिंह, विष्णु, नरेश, इकाई द्वारा बांगलादेश में हिंदू समाज अध्यक्ष पुष्पाल गंगवार, आकाश पटेल, विकास गंगवार, अरविंद गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवतार, सुरेश शर्मा, अवरद गुप्ता, नंदकिशोर गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवतार, सुरेश शर्मा, हिंदू युवक दीप वास की निर्मम हया के विरोध में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिवाकर, हरवीर सिंह, विष्णु, नरेश, इकाई द्वारा बांगलादेश में हिंदू समाज अध्यक्ष पुष्पाल गंगवार, आकाश पटेल, विकास गंगवार, अरविंद गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवतार, सुरेश शर्मा, अवरद गुप्ता, नंदकिशोर गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवतार, सुरेश शर्मा, हिंदू युवक दीप वास की निर्मम हया के विरोध में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिवाकर, हरवीर सिंह, विष्णु, नरेश, इकाई द्वारा बांगलादेश में हिंदू समाज अध्यक्ष पुष्पाल गंगवार, आकाश पटेल, विकास गंगवार, अरविंद गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवतार, सुरेश शर्मा, अवरद गुप्ता, नंदकिशोर गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवतार, सुरेश शर्मा, हिंदू युवक दीप वास की निर्मम हया के विरोध में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिवाकर, हरवीर सिंह, विष्णु, नरेश, इकाई द्वारा बांगलादेश में हिंदू समाज अध्यक्ष पुष्पाल गंगवार, आकाश पटेल, विकास गंगवार, अरविंद गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवतार, सुरेश शर्मा, अवरद गुप्ता, नंदकिशोर गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवतार, सुरेश शर्मा, हिंदू युवक दीप वास की निर्मम हया के विरोध में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिवाकर, हरवीर सिंह, विष्णु, नरेश, इकाई द्वारा बांगलादेश में हिंदू समाज अध्यक्ष पुष्पाल गंगवार, आकाश पटेल, विकास गंगवार, अरविंद गंगवार, अविनाश मिश्रा, कृष्ण अवत





## दूरदर्शी समझौता

भारत-न्यूजीलैंड के बीच मात्र नौ महीनों में संपन्न हुआ मुक्त व्यापार समझौता यानी एफटीए न केवल अपनी गति के कारण उल्लेखनीय है, बल्कि यह बदलते वैशिक व्यापार परिदृश्य में भारत की रणनीतिक आर्थिक सोच को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है। आम तौर पर वर्षों तक खिंचने वाली एफटीए वार्ताओं की तुलना में यह समझौता तेज़, संतुलित और दूरदर्शी है, इसीलिए इसे दीर्घकालिक विकास योजनाओं के अनुरूप एक ऐतिहासिक उपलब्धि और मौलिक का पथर कहना उत्तिष्ठता है। यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को कई स्तरों पर मजबूत करेगा। न्यूजीलैंड के तकरीबन 55 प्रतिशत उत्पादों के तकाल टैरिक पहुंच और दस वर्षों में यह दायरा लगभग 100 प्रतिशत तक पहुंचना, द्विपक्षीय व्यापार को नई गति देगा। भारत को इससे कृष्ण-आर्थित और श्रम-प्रधान नियंत्रण बढ़ाने का अवसर मिलेगा, जबकि न्यूजीलैंड के लिए भारत जैसा विश्वाल और बढ़ता बाहरी दीर्घकालिक स्थिरता देगा। समझौते के कानूनी और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इसे लाग होने में साल भर से ज्यादा लगेंगे।

भारत इसके पहले मौरीशस, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ, ओमान और ब्रिटेन के साथ एफटीए कर चुका है, कनाडा से वार्ता अंतिम चरण में होना दर्शाता है कि भारत वैशिक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भरोसेमंद भागीदार के रूप में उभर रहा है। इसका परोक्ष दबाव अमेरिका पर भी पड़ेगा, जहां अति संक्षणवादी टैरिक नीतियों के चलते भारतीय नियंत्रक असमंजस में है। भले ही वह पूर्ण समाधान न हो पर विधेय एफटीए नेटवर्क के अमेरिकी टैरिक के द्वारा भारों से आंशिक सुरक्षा कवर तो देगा। इसका मैं भारत-न्यूजीलैंड व्यापार लगभग 21 हजार करोड़ रुपयों का है। समझौते के बाद मध्यम अवधि में इसमें दो से तीन गुना वृद्धि की संभावना है। भारतीय नियंत्रकों को शून्य-शुल्क पहुंच से बड़ा लाभ होगा। कपड़ा, परिधान, चमड़ा और जूत जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के साथ-साथ इंजिनियरिंग, मैन्यूफैक्चरिंग, आटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, फार्मास्यूटिकल्स और रसायन उद्योगों में 25 से 40 प्रतिशत तक नियंत्र वृद्धि हो सकती है।

कृषि क्षेत्र में यह समझौता व्यावहारिक संतुलन साधता है। फल, सब्जियां, अनाज, मसाले, कॉफी और प्रोसेस्ड फूड के लिए न्यूजीलैंड का बाजार खुलेगा, जबकि भारत के डेयरी, चीनी, खाद्य तेल, कीमती धारुओं, तांबे के क्षेत्रों और रेस्ट-आर्थरित उत्पादों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को पर्याप्त सुरक्षा मिलेगा। सेवाओं और मानव संसाधन की आवाही इस समझौते के एक और बड़ी ताकत है। 5,000 अस्थायी वर्क वीजों, वसिंग के बाद ज्यादा और अध्ययन के बाद रोजगार के अवसर भारतीय युवाओं और कुशल पेशेवरों के लिए वैशिक दबाव जो खोलेंगे। आईटी, आईटी-संक्षम सेवाएं, वित्त, शिक्षा, पर्यटन और नियामन जैसे क्षेत्रों में भारत की पहुंच बढ़ेगी, जिससे एमएसएसई, कोरिगरों, महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्योगों और स्टार्टअप्स को भी लाभ मिलेगा। न्यूजीलैंड का आगामी 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर के एफटीए की सुविधा देना महत्वाकांक्षी है। अवधि लंबी है, पर इससे निवास को स्थायित्व, तकनीकी सहयोग व रोजगार सुनन का ठांस आधार मिलेगा।

### प्रसंगवाद

## लैगिक मेदभाव की खाई बढ़ाते कौमार्य परीक्षण

हाल ही में राजस्थान में महिलाओं की वर्जिनिटी टेस्ट के कुछ मामले सामने आए हैं, जिनके बाद एक बाद फिर इस विषय पर बहस छिड़ गई है। यह ऐसा विषय है, जिस पर अमातीर पर बात करने से तो हम बचते हैं, लेकिन कुप्रथाओं में यही टेस्ट चादर में धब्बे नहीं लगने पर समाज में महिलाओं के लिए बड़ा कलंक साबित हो रहे हैं। वर्जिनिटी मस्लिम यूं तो स्त्री और पुरुष दोनों से जुड़ा है, लेकिन 21वीं सदी जैसे आधुनिक युग में भी इस अधिकांश महिलाओं की ही पवित्रता जांच यानी इस टेस्ट से तोला जाता रहा है। वर्जिनिटी टेस्ट की इस परंपरा को राजस्थान में कुकड़ी प्रथा के नाम पर युवती और उसके परिवार को हो रही गयी है।

एक समाज विशेष की प्रथा के चलते वर्जिनिटी टेस्ट में फेल होने पर एक युवती को न सिर्फ प्रताडित किया गया, बल्कि दस लाख रुपये का जुर्माना भी लागाया गया। इस मामले में वर्जिनिटी टेस्ट के लिए चली आ रही प्रथा के नाम पर युवती और उसके परिवार को

ये प्रताड़ा झेलनी पड़ी। यह मामला ऐसी प्रथाओं को शर्मसार करने वाला है, जिन्हें आज भी कई समाज अपनी रीति एवं विवाजों का नाम देकर महिलाओं पर थोप रहे हैं और लैगिक भेदभाव की खाई को और गहरा करने का काम कर रहे हैं।

कुछ समय पहले भीलवाडा के बागर गांव की 24 वर्षीय युवती की शादी उसी गांव में हुई। शादी के बाद सांसी समाज ने कुकड़ी प्रथा के तहत नई दुल्हन का वर्जिनिटी टेस्ट लिया।

टेस्ट में दो गुंडे सूत की गेंद, जिसे कुकड़ी

कहा जाता है, में सुहागरत के दिन बिल्डांग चादर पर खून के धब्बे नहीं मिलने पर विवाहित युवती को टेस्ट में फेल बता मारपीट कर प्रताडित किया गया। टेस्ट में फेल होने का कारण पूर्व में एक युवक की ओर से युवती के साथ दुष्कर्म करना बताया गया। सांसी समाज की पंचायत बुलाए गए और वर्धु पक्ष पर दस लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके बाद मामला पुलिस तक जा पहुंचा। कुकड़ी प्रथा राजस्थान के पर्याप्ति हिस्सों में रहने वाली सांसी जनजाति ने प्रतिवान एक विवादास्पद और दमनकारी समाजिक कुप्रथा है, जिसमें सांसी के बाद निवास के कौमार्य की परीक्षा ली जाती है।

असल में वर्जिनिटी टेस्ट एक अवैज्ञानिक और तरीका है, जिसे सुप्रीम कोर्ट और अंतीम अवालों ने असरवानिक, पियासात्मक और मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया है, जबकि यह महिला की गरिमा और निजता का हनन करता है। अधुनिक विज्ञान और कानून भी इसे असरवान करते हैं और पुरानी, अतार्किक प्रथा मानते हैं। कौमार्य भंग होने के कई कारण हो सकते हैं। यह ध्यान खन्ना महत्वपूर्ण है कि यह एक सामाजिक अवधारणा है, जिकित्सा स्थिति नहीं है।

आनुवंशिकी और प्राकृतिक विविताएं में कुछ लागों में जन्म से ही हाइमन बहु कम या न के बागर होती है। वहीं शारीरिक गतिविधि जैसे धुक्कसारी, जिमनास्टिक का सांकेतिक लिंग के लिए एक कारण हो सकता है। कुछ मामलों में टैगेन के उपयोग से भी हाइमन पर प्रभाव पड़ सकता है। वर्जिनिटी टेस्ट में फेल होने के कारण हो सकता है। कुछ चिकित्सा जांच के द्वारा जांच सकती है जो एक कारण हो सकता है। कुछ दूर्वासा या चेलकूद के कारण ही हाइमन जिंदगी संतुलित करता है। इसके उपरान्त भी एक कारण हो सकता है।

जॉनोक्स्ट्रीआई एकी एक रिपोर्ट में बताया है कि 71% भारतीयों का उपयोग जीवन भी एक कारण हो सकता है। कुछ चिकित्सा जांच के द्वारा जांच सकती है। जॉनोक्स्ट्रीटेस्ट में फेल होने के कारण हो सकता है। वर्जिनिटी टेस्ट महिलाओं के शोषण का एक मायथम बन गए हैं मैंहाइमन पर अपर पड़ सकता है। वर्जिनिटी टेस्ट महिलाओं के शोषण का एक मायथम बन गए हैं मैंहाइमन पर अपर पड़ सकता है।

आनुवंशिकी और प्राकृतिक विविताएं में कुछ लागों में जन्म से ही हाइमन बहु कम या न के बागर होती है। वहीं शारीरिक गतिविधि जैसे धुक्कसारी, जिमनास्टिक का सांकेतिक लिंग के लिए एक कारण हो सकता है। कुछ दूर्वासा या चेलकूद के कारण ही हाइमन जिंदगी संतुलित करता है। इसके उपरान्त भी एक कारण हो सकता है।

जॉनोक्स्ट्रीआई एकी एक रिपोर्ट में बताया है कि 71% भारतीयों का उपयोग जीवन भी एक कारण हो सकता है। कुछ चिकित्सा जांच के द्वारा जांच सकती है। जॉनोक्स्ट्रीटेस्ट में फेल होने के कारण हो सकता है। वर्जिनिटी टेस्ट महिलाओं के शोषण का एक मायथम बन गए हैं मैंहाइमन पर अपर पड़ सकता है। वर्जिनिटी टेस्ट महिलाओं के शोषण का एक मायथम बन गए हैं मैंहाइमन पर अपर पड़ सकता है।

आनुवंशिकी और प्राकृतिक विविताएं में कुछ लागों में जन्म से ही हाइमन बहु कम या न के बागर होती है। वहीं शारीरिक गतिविधि जैसे धुक्कसारी, जिमनास्टिक का सांकेतिक लिंग के लिए एक कारण हो सकता है। कुछ दूर्वासा या चेलकूद के कारण ही हाइमन जिंदगी संतुलित करता है। इसके उपरान्त भी एक कारण हो सकता है।

जॉनोक्स्ट्रीआई एकी एक रिपोर्ट में बताया है कि 71% भारतीयों का उपयोग जीवन भी एक कारण हो सकता है। कुछ चिकित्सा जांच के द्वारा जांच सकती है। जॉनोक्स्ट्रीटेस्ट में फेल होने के कारण हो सकता है। वर्जिनिटी टेस्ट महिलाओं के शोषण का एक मायथम बन गए हैं मैंहाइमन पर अपर पड़ सकता है। वर्जिनिटी टेस्ट महिलाओं के शोषण का एक मायथम बन गए हैं मैंहाइमन पर अपर पड़ सकता है।

आनुवंशिकी और प्राकृतिक विविताएं में कुछ लागों में जन्म से ही हाइमन बहु कम या न के बागर होती है। वहीं शारीरिक गतिविधि जैसे धुक्कसारी, जिमनास्टिक का सांकेतिक लिंग के लिए एक कारण हो सकता है। कुछ दूर्वासा या चेलकूद के कारण ही हाइमन जिंदगी संतुलित करता है। इसके उपरान्त भी एक कारण हो सकता है।

जॉनोक्स्ट्रीआई एकी एक रिपोर्ट में बताया है कि 71% भारतीयों का उपयोग जीवन भी एक कारण हो सकता है। कुछ चिकित्सा जांच के द्वारा जांच सकती है। जॉनोक्स्ट्रीटेस्ट में फेल होने के कारण हो सकता है। वर्जिनिटी टेस्ट महिलाओं के शोषण का एक मायथम बन गए हैं मैंहाइमन पर अपर पड़ सकता है। वर्ज



# रंगोली

ना

गपुर से करीब 50 किलोमीटर दूर रामटेक स्थान है, जो प्राचीन राम मंदिर और महाकवि कालिदास से जुड़ा वाली की वजह से मशहूर है। रामटेक स्थित पहाड़ी शृंखला को सिंधूरणि पर्वत भी कहा जाता है।

मान्यता है कि प्रभु श्रीराम

वनवास के दौरान यहां

माता सीता और भाई

लक्ष्मण के साथ रुके थे,

इसका उल्लेख वालीकि

रामायण और पद्मपुराण

में मिलता है। यहां पर

अगस्त्य ऋषि का आश्रम

था। मान्यता यही है कि

महर्षि अगस्त्य द्वारा यहां पर प्रभु श्रीराम को ब्रह्मास्त्र दिया गया था। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार प्रभु श्रीराम ने यहां पर राजसों का संहार करने की प्रतिज्ञा ली थी, जिसका वर्णन रामचरित मानस में मिलता है। वैसे भी टेक का अर्थ प्रतिज्ञा होता है।



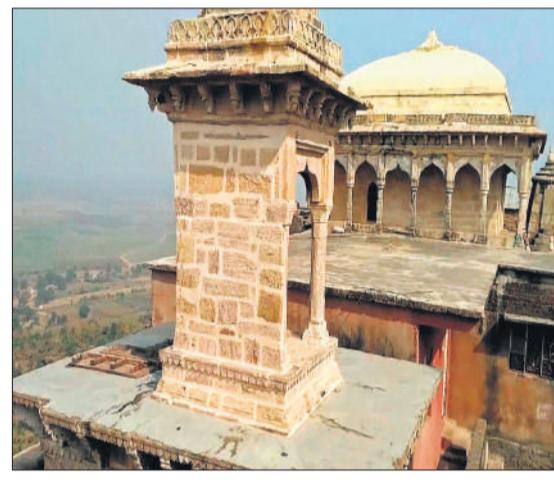
अजय त्रिपाठी  
उप निवेदिक ग्यान  
कल्याण

# दागंटेक

## वनवास के दौरान यहां उके थे प्रभु राम

### श्रीराम ने यहां पर ली राक्षसों के संहार की प्रतिज्ञा

जब श्रीराम ने इस स्थान पर हर कहीं हड्डियों के ढेर देखे, तो उन्होंने इस बारे में ऋषि अगस्त्य से प्रश्न किया। इस पर उन्होंने बताया कि यह उन ऋषियों की हड्डियां हैं, जिनके जन्म और पूजा में राक्षस विध डालते थे। इसके बाद श्रीराम ने राक्षसों के संहार की प्रतिज्ञा ली। इसी स्थान पर ऋषि अगस्त्य द्वारा दिए गए ब्रह्मास्त्र से ही श्रीराम ने रावण का वध किया। इस मंदिर को लेकर कहानी है कि प्रभु श्रीराम ने वनवास के दौरान इस स्थान पर चार महीने तक माता सीता और लक्ष्मण के साथ समय बिताया था। माता सीता ने यहां पहली रसोई बनाई थी और स्थानीय ऋषियों को भोजन कराया था।

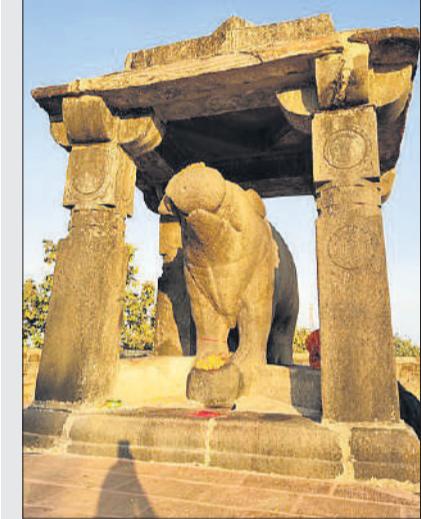


### किले जैसा आभास देता है मंदिर

एक छोटी पहाड़ी पर बने रामटेक मंदिर को गृह मंदिर भी कहा जाता है। केवल पथरों से बने होने के कारण यह मंदिर किसी किले जैसा लगता है। यह पथर एक दूरी पर के ऊपर रखे हुए है। इसका निर्माण 18 वीं शताब्दी में नागपुर के मराठा शासक राजा रमेश भोसले ने छिंदवाड़ा में देवगढ़ के दुर्ग पर विजय प्राप्ति के बाद किया था। मंदिर के बाहर की ओर सुरनदी बहती है। मंदिर परिसर में एक तालाब भी है, जिसे लेकर मान्यता है कि इसमें पानी की कम या ज्यादा नहीं होता है। हमेसा सामान्य जल स्तर रहता है। ऐसा माना जाता है कि जब भी बिजली चमकती है, तो मंदिर के शिखर पर ज्योति प्रकाशित होती है, जिसमें भगवान राम का अक्षर दिखाई देता है।

### महाकवि कालिदास ने यहां पर लिखा मेघदूत

रामटेक में महाकवि कालिदास जी का एक भव्य दिव्य स्मारक भी मौजूद है। यहां पर कालिदास द्वारा मेघदूत काव्य की रचना किए जाने का उल्लेख है। इस जगह को रामपीरि भी कहा जाता है। रामटेक में दिंगंबर जैन मंदिर भी है, जिसका निर्माण 17 वीं शताब्दी के दौरान जैनियों के दिंगंबर संप्रदाय द्वारा किया गया था, जो भगवान महावीर के अनुयायी थे। यह मंदिर जैन धर्म का एक महत्वपूर्ण केंद्र और महाराष्ट्र के सबसे पुराने जैन मंदिरों में से एक है।

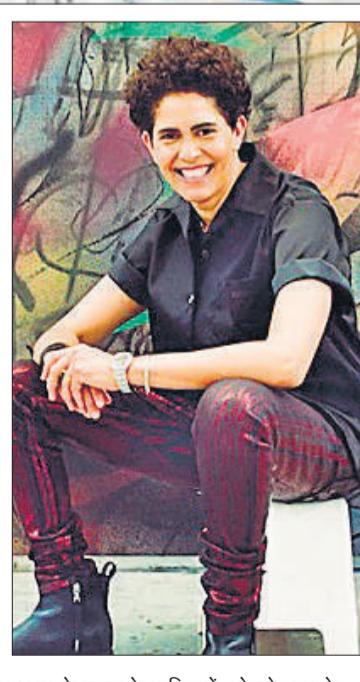


### आर्ट गैलरी

#### जूली मेहरतु की पेटिंग सिक्स बार्डोज



जूली मेहरतु की कृति 'सिक्स बार्डोज़ : हिम (बिहाइंड द सन)' 2018 में निर्मित एक प्रभावशाली चित्र है, जो उनकी आधात्मिक और कलात्मक हाराई को दर्शाता है। यह कृति उनकी 'सिक्स बार्डोस' शृंखला का हिस्सा है, जो बौद्ध धर्म में जीवन और पुनर्जन्म के बीच की छह संक्रमणकालीन अवस्थाओं (Bardos) से प्रेरित है। मेहरतु ने इस शृंखला की प्रेरणा चीन की मोगाओ गुफाओं (Mogao Caves) की यात्रा के बाद ली थी। 'बार्डो थडोल' (तिब्बती बुक ऑफ द डेड) के दर्शन को आधार बनाकर, उन्होंने मानवीय चेतना के जटिल प्रवाह को कैनवास पर उतारा है। यह विशेष पेटिंग 25-रंगों वाली एक्वाटिंट (aquatint) तकनीक से बनाई गई है, जो इसे रंगों और रेखाओं का एक जीवंत सागर बनाती है।



#### जूली के बारे में

जूली मेहरतु का जन्म 1970 में अंदीस अबादा, इथियोपिया में हुआ था। 1970 के दशक के आखिर में, ओडिशन युद्ध के कारण इथियोपिया में राजनीतिक उथल-पुथल हुए और 1977 में मेहरतु निश्चिन चली गई। हाँस्कूल से ग्रेजुएशन करने के बाद, उन्होंने कलामजू कोलेज से बैचरर ऑफ़ एड्स की डिप्लोमा प्राप्त की। असल में कई महादीपी और संस्कृतियों में उनके अनुभावों ने उन्हें सामाजिक और राजनीतिक चित्तियों का एक अनोखा नजरिया दिया है। वह कला, वास्तुकला और पिछली सभ्यताओं के इतिहास को परखती है और उन्हें प्रवासन, क्रांति, जलवाया परिवर्तन, वैशिष्टक पूर्णीवाद और प्रैद्योगिकी के मौजूदा विषयों के साथ मिलती है। उनकी प्रेरणा के स्रोत गुणक चित्रों, कार्टोग्राफी, गणितीय डिजाइनों, एशियाई सुलेख, भूति चित्रों, वास्तुशिल्प प्रस्तुतियों और समाचार इमेजरों से आते हैं। कभी-कभी उनका काम इतना सरित होता है कि वे जीवाशम खलाफूली जैसा दिखता है। वह तर्मान में न्यूयॉर्क शहर में रहती है।



कोई भी कला लोक मानस से जन्म लेती है, उसी से पोषित होती है और समाज की सामूहिक चेतना को प्रतिबिंबित करती है। लोक कला की विशेषता यह है कि इसमें कलाकार रीसीमित साधनों और सरल रेखाओं के माध्यम से भी प्रभावशाली एवं ओजपूर्ण चित्रांकन कर देता है। यह कला किसी औपचारिक प्रशिक्षण, विद्यालय या संस्थान की मोहताज नहीं होती, बढ़ती है। मां, दादी और नानी जैसे बुजुंगों को बनाते देखकर अथवा उनसे सीखकर यह कला जीवन का अंग बन जाती है।

लोक कला का एक अल्पतम महत्वपूर्ण रूप 'चौक' है। चौक में स्वरितक, कलश, चरण, कमल, शंख, सूर्य, चंद्र, सन-कमल और अट्ट-कमल जैसे प्रीतीकों का निर्माण किया जाता है, जिनका गहरा दाशनिक और धार्मिक महत्व है। उदाहरणस्वरूप कलश को मानव शरीर के प्रतीक माना जाता है और उसमें भरा जल जीवन-संसार का द्योतक है। यह लक्ष्मी का भी प्रतीक है और लगाया सभी शुभ एवं मांगलिक कार्यों में संस्कृत-स्थापना अनिवार्य मानी जाती है। प्रागैतिहासिक काल के शैलचित्रों में लोक रूप दिखाई देते हैं।



### चौक पूरना : भारतीय सांस्कृतिक चेतना की अभिव्यक्ति

मानव स्वभाव से ही रचनात्मक रहा है। आदि काल से लेकर वर्तमान तक उसने अपने अनुभूतियों और जीवन में घटनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए विविध रूपों का सूजन किया है। उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों और साधनों के माध्यम से मानव ने अपने भावों को आकार दिया और यही प्रक्रिया कला के प्रारंभिक स्वरूपों की जननी बनी। समय के साथ मानव ने न केवल भौतिक विकास किया, बल्कि अपनी कल्पनाओं, विश्वासों और आधात्मिक अनुभूतियों को भी कला के माध्यम से साकार किया। लोक कला इसी सहज और खाभाविक अभिव्यक्ति का रूप है।

#### नांगलिक चौक

मांगलिक कार्य लिखि, माह, पक्ष, नक्षत्र और गणना के अनुसार किए जाते हैं। विवाह, गृह प्रवेश, वर्षगांठ, छठी आदि अवसरों पर चौक का निर्माण किया जाता है। विवाह में साझाई, तिलक, द्वार-पूजा और मंडप में सुखे आठे वह हल्दी से चौक पूरने की परंपरा है। गृह प्रवेश या जन्मदिन के अवसर पर भूमि को गोबर से लीपकर, चत्वर कर पाटा पर कलश स्थापना हेतु अलंकरण किया जाता है, इसे ही मांगलिक चौक कहा जाता है।

#### संस्कार चौक

हिंदू धर्म में सोलां संस्कारों की परंपरा है और लगभग सभी संस्कारों में चौक का विधान मिलता है। जन्म के समय दीवारों पर शक्ति-देवताओं का अंकन किया जाता है। छठी के अवसर पर आठे का चौक पूरकर दीप प्रज्ञलित किया जाता है। बरही में घर से द्वार तक पांच रेखाओं और मध्य में वृत्त का निर्माण किया जाता है। अन्प्राणन, पाटी पूजन और उपयन संस्कार में ओम, स्वरितक, श्री आदि प्रीतीकों से युक्त चौक बनाए जाते हैं।

#### त्रत-त्योहार चौक

हिंदू धर्म में अनेक त्रत-त्योहारों पर चौक पूरने की परंपरा है। नवरात्रि, नाग परमी, रक्षाबद्धन, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, करवा चौथ, त्रिपुरारी और अष्टमी आदि अवसरों पर भिन्न-भिन्न प्रकार के चौक बनाए जाते हैं। ये आठा, हल्दी, रोली, गेर, गोबर आदि से निर्मित होते हैं और जन्म-आस्था तथा सांस्कृतिक चेतना को प्राकृतिक सामग्रियों का प्रयोग किया जाता है। इनस





